

Dr. B.B. Hegde First Grade College, Kundapura

DEPARTMENT OF HINDI

Record of Seminar Conducted by Student

Name of the Student: TINCY

Class & Section: I BBA

Roll No: BBA23063

Date of Presentation: 10/06/2024

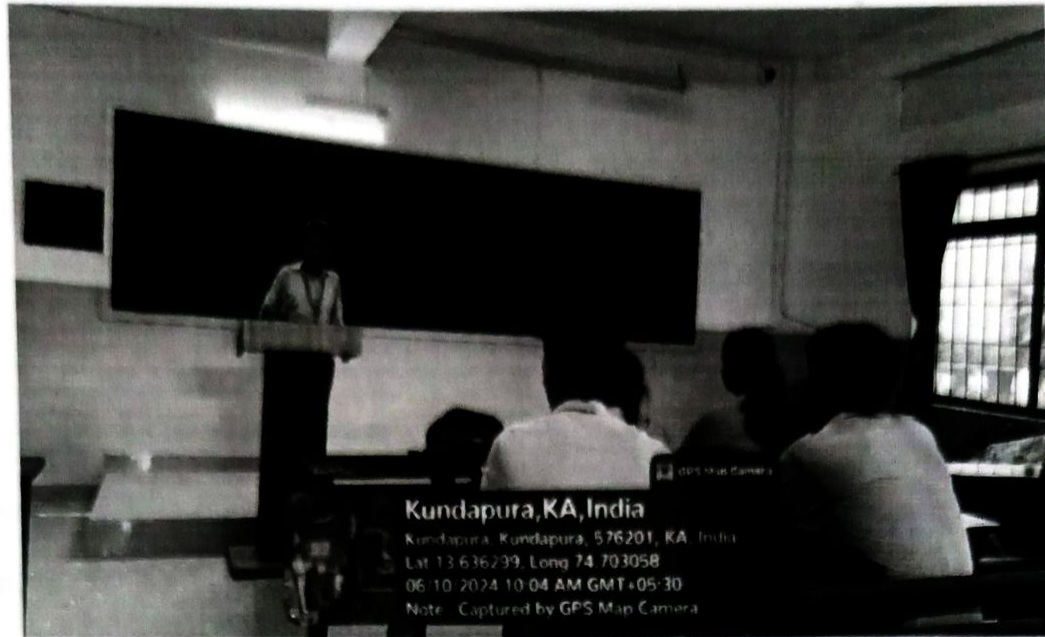
Topic: होली और ओणम.

Essence of the Presentation:

होली के त्योहार के पीछे डोलिका की कहानी है। अपने भाई के प्रति डोलिका के मन में अदृष्ट प्रेम था। उसके शत्रु का यश गानेवाले प्रह्लाद को बड़ भस्म करना चाहती थी। जब बड़ प्रह्लाद को लेकर अग्नि में प्रवेश करती है।

ओणम के पीछे असुर राजा महाबलि की कहानी है। उसने किसी का अहित नहीं किया था। उसके यश से देवता जलते थे। देवताओं की प्रार्थना पर महाविष्णु वामन रूप धारण कर महाबलि के पास आते हैं।

इस निबंध में लेखक ने वर्तमान समय में हमारे देश के राजनीति में बढ़ते हुए श्रष्टायार का मार्मिक चित्रण किया है।



Tincy.

SIGNATURE OF THE STUDENT

[Signature]  
11/06/2024

SIGNATURE OF FACULTY

[Signature]

SIGNATURE OF H.O.D

H.O.D. of Hindi  
Dr. B. B. Hegde First Grade College  
Kundapura - 576201

**Dr. B.B. Hegde First Grade College, Kundapura**

**DEPARTMENT OF HINDI**

**Record of Seminar Conducted by Student**

**Name of the Student: Sowrab**

**Class & Section: II BBA**

**Roll No: BA22040**

**Date of Presentation: 24/04/2024**

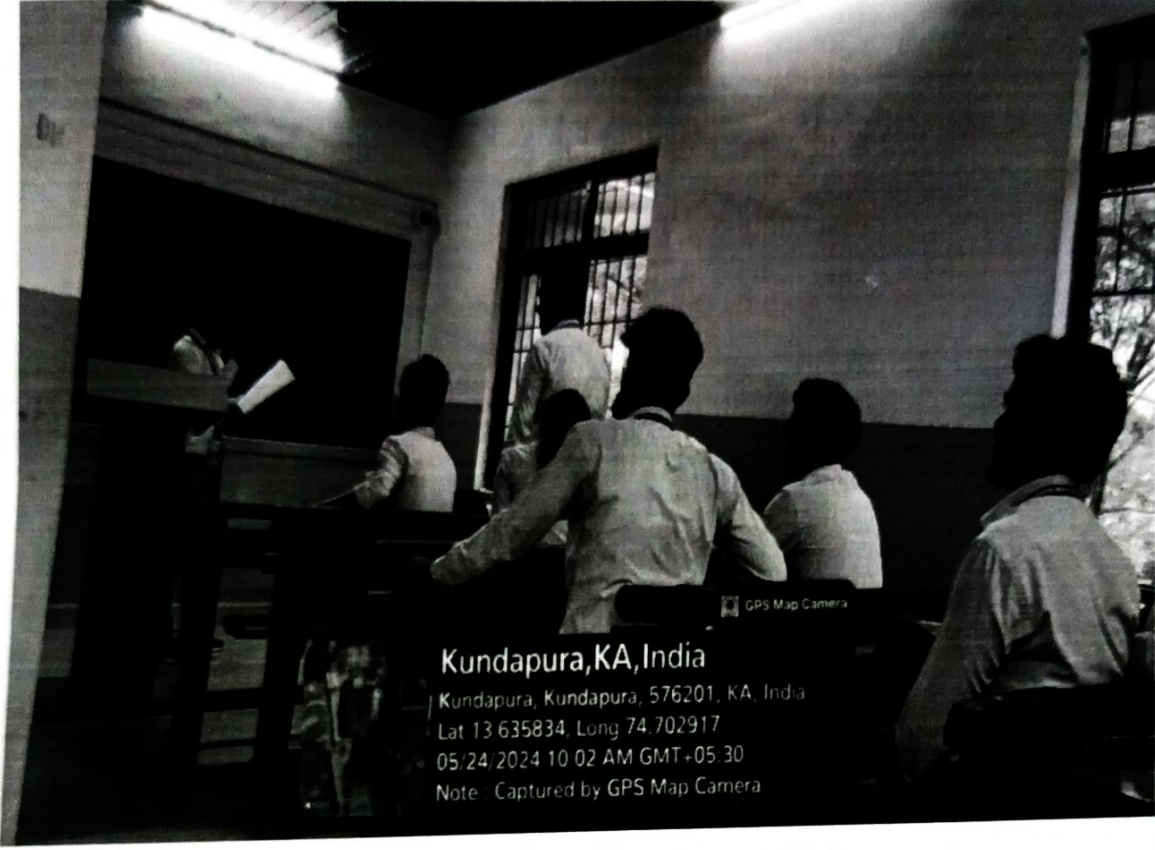
**Topic: अंधेर नगरी**

**Essence of the Presentation:**

अंधेर नगरी नाटक का कथानक एक पुरानी लोककथा पर आधारित है। यह दृश्य प्रधान होने के कारण प्रेक्षक की नजरों में नाटक है। इसमें कुल छः अंक हैं। अंक बहुत छोटे-छोटे हैं, उन्हें यदि दृश्य में विभाजित किया जाता तो अधिक उचित होता। नाटक में महन्त अपने दो शिष्यों, नारायणदास तथा गोवर्धनदास के साथ संघ पर प्रवेश करते हैं। महन्त अपने दोनों शिष्यों को नगर में भिक्षा के लिए भेज देता है।

अंधेर नगरी में अंग्रेज राजा की शोषण प्रवृत्ति तथा अंधेरगढ़ी का निरूपण हुआ है। साथ ही नवजागरण के अवरोधक तत्वों को भी निर्दिष्ट किया गया है और सरकारी कर्मचारियों कि

शिवतखीरी पर व्यंग्य किया गया है; ज्ञानि व्यवस्था  
तब न्याय व्यवस्था पर भी कशा व्यंग्य  
दक्षिगत होना है।



*Sowrab*

SIGNATURE OF THE STUDENT

*[Signature]*  
05/24/2024

SIGNATURE OF FACULTY

*[Signature]*

SIGNATURE OF H.O.D

H.O.D. of Hindi  
Dr. B. B. Hegde First Grade College  
Kundapura - 576201

**Dr. B.B. Hegde First Grade College, Kundapura**

**DEPARTMENT OF HINDI**

**Record of Seminar Conducted by Student**

**Name of the Student: Samriddhi**

**Class & Section: II B.Com 'B'**

**Roll No: BCM22167**

**Date of Presentation: 5/12/2023**

**Topic: चैदरे**

**Essence of the Presentation:**

प्रस्तुत कहानी 'चैदरे' में आर्थिक और शारीरिक दृष्टि से शोषित भिखारियों की कसूरण कथा भी कही जा सकती है। समाज में ऐसी स्त्रियों कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करती हैं। इन भिखारियों के साथ उनके बच्चे भी होते हैं, जो रोज एक ही स्थान पर भिखर माँगते हैं।

'चैदरे' कहानी में भिखारिन के साथ सिपाहियों के अत्याचार को दिखाया गया है जिसमें नैतिक पतन स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

इस कहानी में भिखारिन सामाजिक व्यवस्था एवं अधिकारी लोगों के प्रति अपने आक्रोश व्यक्त करती है। भिखारिन द्वारा कही गयी बात पुलिस अधिकारियों और रेल अधिकारियों के मुखौटे उतार फेंकती है।



Kundapura, KA, India  
Kundapura, Kundapura, 576201, KA, India  
Lat 13.635851, Long 74.702809  
12/05/2023 02:41 PM GMT+05:30  
Note : Captured by GPS Map Camera

*Sand* 5/12/23  
SIGNATURE OF THE STUDENT

*[Signature]*  
05/12/2023  
SIGNATURE OF FACULTY

*[Signature]*  
SIGNATURE OF H.O.D  
H.O.D. of Hindi  
Dr. B. B. Hegde First Grade College  
Kundapura - 576201

Dr. B.B. Hegde First Grade College, Kundapura

DEPARTMENT OF HINDI

Record of Seminar Conducted by Student

Name of the Student: MAMATHA

Class & Section: IIBBA

Roll No: BBA22024

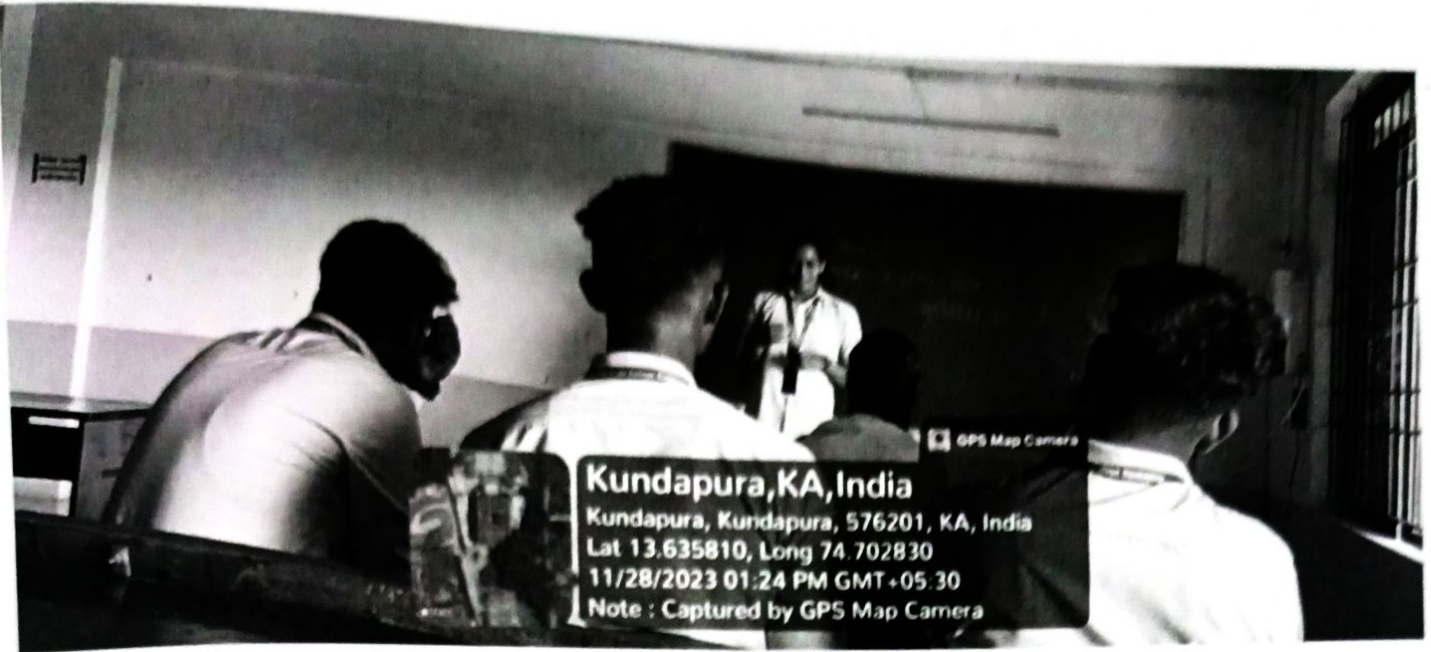
Date of Presentation: 28/11/2023

Topic: गीत विहंगम

**Essence of the Presentation:**

गीत विहंगम कविता में कविने सुन्दर प्रकृति का वर्णन किया है। यह गीत सोचे हुए व्यक्ति को जगान का संदेश देता है। आजादी के मिलने के साथ ही देश के लोग विकास, प्रगती, अखिबृद्धी की ओर अग्रसर होने लगे थे। जब कि ज्योती जलाकर हम परमात्मा को बढ़ाता है; उसी प्रकार पक्षी ज्ञान रूपी प्रकाश के द्वारा लोगों को जगान का प्रयास करती है।

यह कविता सुमित्रानंदन पंत जी का जागरण गीत है, जो लोगों को अपना पुराना दुख, संकट निराशा आदि भूलकर स्वधीन भारत में प्रगती के पथ पर आगे बढ़ते हुए सुख, शांति वैभव आदी से रहने का संदेश देता है। इस कविता में अलंकार का अमर है, जैसे रूपक, प्रतीक, अनुप्रास, मानकीकरण आदि।



*Mamatha* .. 28/11/2023

**SIGNATURE OF THE STUDENT**

*[Signature]*  
28/11/2023

**SIGNATURE OF FACULTY**

*[Signature]*

**SIGNATURE OF H.O.D**